





HRA an USIYA The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भ्रात II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]

नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, जनवरी 3, 1991/पौष 13, 1912

No. 5]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 3, 1991/PAUSA 13, 1912

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह जलग संकालन के रूप में रहा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नागर विमानन मंत्रालय

<mark>श्रीधसूच</mark>ना

नई विल्ली, 3 जनवरी, 1991

सा. का. नि. 6(ग्र):— वायुपान नियम, 1937 का ग्रीर संगोधन करने के लिए कतिषय प्रारूप नियम, भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रापय की ग्रिधिमूचना संख्या सा. का. नि. 386, तारी श्र 11 जून, 1990 के ग्रिधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (1) तारी ख 23 जून, 1990 के पृष्ठ संख्या 1442—1445 पर प्रकाणित किए गए थे, जिनमें ऐसे राभी ब्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, प्राक्षेप या सुझाव मांगे गए थे;

ग्नीर उमन राज्ञपत्न की प्रतियां 26 जुलाई, 1990 को जनता की उपलब्ध करा दी गयी थीं;

ग्रीर उक्त प्रारूप के संबंध में जनना से कोई घाक्षेप या गुझाब प्राप्त नहीं हुए;

न्नतः श्रव, केन्द्रीय सरकार, वायुथान श्रधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदम्भ शिक्षवीं का प्रयोग करते हुए, वायुयान निथम, 1937 का भीर मंगोधन करने के लिए तिस्तिलिखन नियम वनार्ता है; अर्थात् :---

- । (1) इत नियमीं का संक्षिप्त नाम वाय्यान (I गंणीधन) नियम 1991 है।
- (2) ये राजपव में प्रकाशन की सारीख को प्रवस्त होंगै।
- वायुपान नियम, 1937 के नियम 62 के स्थान पर निस्नलिग्बिन नियम रक्षा आण्या, अर्थात् .--
 - "62 फीसें --(1) प्रकार प्रभाणपत के जारी किए जाने या विधिमान्यकरण, उडनयोग्यका प्रमाणपत के नवीकरण या
 विधिमान्यकरण श्रौर इस भाग द्वारा श्रपेक्षित अनुजन्ति
 या प्राधिकार पत्र के जारी किए जाने, उसके नवीकरण
 या उभके विस्तार में उपांतरण की वायन निम्नालिखन फीसें
 वैय श्रीमी:--
 - क नियम अ9 क के अधीन प्रकार-प्रमाणपन का जारी किया जाना:
- (1) 1.000 किलोग्राम एवू डब्ल्य् नक 10,000.00 रुपए केस्माइडर और सेम्बलेन

- (२) 1,5000 किलीग्राम एयू उब्ल्यू तक का हर्लका बायुपान भीर स्वप्रमोचन स्लाईडर
- 15,000.00 ज्या
- (3) 1,501 किलोग्राम से 5,7000 किलोग्राम 15,000.00 क्ष्पण धन एस् इबल्यू तक का जायथान 1500 किलोग्राम से

5,000.00 थ्याग् घत 1500 किलोग्राम से श्राधिक प्रत्येक 10 किलो ग्राम या उसके भाग के लिए 50.00 घ्याग

(4) 5.7000 किलोग्राम एयू डब्स्य से भधिक की वासेयान

50.000.00 रुपये चन 5.7000 किलो-प्राम में प्रक्षिक प्रस्थेक 1,000 किलीगाम या उसके भाग के लिए 5,000 रुपए।

(5) ईजन :

(क) प्रश्यागामी

200.000 रुपए प्रति ए**व** पी

(खा) टबॉ पॉप

250,00 रुपण् प्रति एभपी

(ग) टबॉ औट

ध्यस्ट के 25.00 रुपए प्रति

किलोग्राम

(6) हुलीकाप्टर

प्रभार उस फीस से, जो तत्स्थानी भार प्रवर्गों में वायुगान के लिए प्रभारित की जाती हैं 20 प्रति-सत स्रधिक होंगे।

बायुपान संघटकों, उपस्करों भीर उपकरणों 5,000.00 स्पण् प्रत्येक स्नादि की बाबत प्रकार प्रमाणपत्न, जब उनके के लिए। संबंध में पृथक-पृथक कार्रवार्ड की जाए।

खा. नियम 49 भा क भ्रधान प्रकार प्रमाणपत्न का विधिमान्यकरण:

(1) बाय्यान का प्रायात:

प्रकार- प्रमाणपन्न के विधिमान्यकरण के लिए फीस 5,000 रुपए <u>स्पद्धा</u> प्रकार प्रमाणपन्न जारी करते के लिए वेय फीस की 25 प्रतिशत, तमें से जो भी उच्चमर हो, होगी।

(2) अनुज्ञप्त उत्पादन :

प्रकार प्रमाणपत्र के विधिमान्यकरण के लिए फीस प्रकार प्रमाणपत्न जारी करने के लिए देय फीस की 50 प्रतिगत होगी।

- ग. नियम 50 को मधीन उक्ष्म योग्यता प्रमाणपत्न का जारी किया जाना नवीकरण या विधिमान्यकरण:---
- (1) 1000 किलोग्राम या उससे कम ग्रधिकतम प्रनुजेय भारवाले किसी वागुयान के लिए 200.00 रुपए
- (2) 1000 किलोबास ऋधिकतम ब्रन्जीय भार से 10.00 ठ. श्रक्षिक प्रत्येक 100 किलोबाम या उसके भाग के लिए

- (3) उड़न यांत्रयता प्रमाणपद्म की दूसरी प्रति का 100,00 क्ष्यं जारी किया जाना
- ण. नियम 6। के प्रधीन एम एम ई/ए. स्नार एम. ई /जो ्फ ई को बाबन भनुज्ञप्ति सथवा प्राधिकार पत्र का जारी किया जाना सवीकरण भयवा उसके विस्तार में उथास्तरण :
- (i) किसी प्रमुक्त कि कारी किए जाने या उसके नवंकरण या उसके विस्तार में उपाध्यरण के लिए, आयोजिन की जाने वाला प्रमुक्त परीक्षा के प्रस्थेक प्रवर्ग और प्रकार पुरर्शकन/प्राधिकारणत्र/ प्रमुमीवन पत्र के लिए 100,00 रुपए
 - (ii) धनुक्राप्ति का जारी किया जाना इसका नवीकरण या असकी वृसरी प्रति की जारी किया जाना 100,00 रुपए
- 2 सभी फीसों का संदाय महानिदेशक, नागर विमानन के पक्ष में लिखे गये कॉम भारतीय पोस्टल आर्डर अथवा बैक ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा।
- (3) जहां किसी कारण से कोई धनुज्ञान या प्राधिकारणव या प्रमाणपन्न, यथास्थिति, जारी नहीं किया जाता है, नवीकृत नहीं किया जाता है या उसका विधिमान्यकरण नहीं किया जाता है यहां महानिवेणक धानेदक को संदत्त फीस के ऐसे भाग वा प्रतिदाय कर सकेगा जो, यथा-स्थिति, न नी गई परीक्षा प्रथवा न किए गए परीक्षण या निरीक्षण प्रथवा जारी या नवीकृत या विधिमान्य न की गई धनुज्ञान प्राधिकार पक्ष या प्रमाणपन्न के सर्व के बराबर हैं "।

[फा, स. ए की 11012/1/88 -ण] स्वीन्द्र गुप्ता, संयुक्त सम्बिव

पाव टिप्पणी

मूल नियम दिनांक 27 मार्च, 1937 के भारत के राजपत्र के भाग $1, \hat{\mathbf{H}}$ 23 मार्च, 1937 की श्रक्षिमूचना मंख्या की ~ 26 के नहन प्रकाणित किए गए थें। बाद में निम्नलिखित द्वारा संगोधन किया गया था; दिनांक 30 सिनम्बर 1972 के भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपखंड (i) में प्रकाशित 18 सिनम्बर, 1972 की जी, एस, भार 1232;

दिनांक 13 सिनम्बर, 1975 के भारत के राजपत के भाग H, आरंड 3, उप आरंड (i) में प्रकाशित दिनांक 26 ग्रगस्त. 1975 की ज67.एस.भार. 2387 1

MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd January, 1991

G.S.R. 6(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, were published at pages 1442-1445 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 23rd June, 1990 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation G.S.R. 386 dated 11th June, 1990, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette we're made aveilable to the public on the 26th July, 1990;

And whereas no objection or suggestion has been received from the public on the said draft;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:-

- 1. (1) These rules may be called the Aircraft (First Amendments Rules, 1991.
- (2) They shall come into force on the date of their publiation in the Official Gazette.
- 24 In the Aircraft Rules, 1937, for rule 62, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "62. Fees:—(1) The following fees shall be payable for issue or validation of Type Certificate renewal or validation of Certificate of Airworthiness and issue, renewal or modification in the scope of licence or authorisation required by this part:
- A. Issue of Type Certificate under rule 49A:

(i) Gliders and Sailplanes upto 1,000 Kgs. AUW.

Rs. 10,000.00

(ii) Light aircraft and self-launching

Rs. 15,000,00

gliders up to 1,500 Kgs, AUW. (iii) Aircraft from 1,501 Kgs. to

5,700 Kgs. AUW.

Rs. 15,000.00 plus Rs. 50.00 for every 10Kgs. or part thereof above 1,500

Kgs.

(iv) Aircraft above 5,700 Kgs. AUW.

Rs. 50,000.00 plus Rs. 5,000 for every 1,000 Kgs. or part thereof above 5,700 Kgs.

(v) Engines:

(a) Receiprocating

Rs. 200.00 per H.P.

(b) Turbo Prop.

Rs. 250.00 per S.H.P.

(c) Turbo jet

Rs. 25.00 per Kgs. of Thrust.

(vi) Helicopter

The charges will be 20% over and above the fee charged for aircraft in the corresponding weight categories.

(vii) Type Certificate in respect of Rs. 5,000.00 each. ai craft components, equipment and instruments etc. when processed individually.

- B. Validation of Type Certificate under rule 49B:
- (i) Import of Aircraft:

The fee for validation of type certificate shall be Rs. 5,000 or 25% of the fee payable for issue of Type Certificate, whichever is higher.

- (ii) Licensed production:

 The fee for validation of Type Certificate shall be 50% of the fee payable for issue of Type Certificate.
 - C. Issue, renewal or Validation of Certificate of Airwor hiness under rule 50:
 - (i) For an aircraft having maximum permissible Rs. 200.00 weight of 1,000 Kgs. or less.
 - (ii) For every 100 Kgs, or a part thereof above the Rs. 10 00 maximum permissible weight of 1,000 Kgs.
 - (iii) Issue of duplicate Certificate of Airworthiness Rs. 100.00
 - D. Issue, renewal of modification in scope of licence or authorisation in respect of AME/ARME/GME under rule 61:
 - (i) For each category of licence examination to be Rs. 160 00 held for issue or renewal or modification in scope of a licence and type endorsement/ authorisation/approval.
 - (ii) Issue/renewal or issue of duplicate licence Rs. 100.00
 - (2) All fees shall be paid by Crossed Indian postal order or Bank Draft, drawn in favour of Director General of Civil Aviation.
 - (3) Where for any reason, the licence or authorisation or certificate, is not issued renewed or validated, as the case may be, the Director General may refund to the applicant such portion of the fees paid as represents the cost of any examination or test or inspection not carried out or any licence, authorisation or a certificate not issued or renewed or validated, as the case may be".

[F.No. AV. 11012/1/88-A] RAVINDRA GUPTA, Ji. Secy.

FOOT NOTE

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated 23rd March, 1937 in the Gazette of India, part I, dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by:

GSR 1232 dated 18th September, 1972 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 30th September, 1972 of the Gazette of India.

GSR 2387 dated 26th August, 1975 published in Part 15. Section 3, Sub-section (i) dated 13th September, 1975 of the Gazette of Incia.